University in News on 23 March 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

गले लगकर याद किए पुराने दिन, एक-दूसरे की उतारी नकल

लविवि : रसायन विज्ञान विभाग ने 1975 बैच के साथ मनाई एल्युमिनाई मीट, परास्नातक टॉपर के लिए स्वर्ण पदक की घोषणा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विवि के रसायन विज्ञान विभाग में शनिवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। 1975 बैच की स्वर्ण जयंती पर वर्षों बाद मिले पूर्व छात्रों ने एक-दूसरे के गले लगकर पुराने दिनों को याद किया। साथ ही शिक्षकों की नकल उतारकर आनंद उठाया।

सम्मेलन में रसायन विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर छात्र के टॉपर के लिए पूर्व छात्र स्वर्ण पदक की घोषणा की गई। विभाग की पूर्व छात्रा और विभागाध्यक्ष रहीं डॉ. सुधा जैन व कुलपति प्रो. आलोक राय ने पदक का अनावरण किया। दीक्षांत समारोह में यह पदक मेधावी छात्र को दिया जाएगा।

पूर्व छात्रों के प्रतिनिधि कैलाश कुमार ने प्रेजेंटेशन देकर सभी का संक्षिप्त परिचय बताया। पूर्व छात्र सम्मेलन में शामिल होने के लिए अमेरिका से सत्या भाटिया और डॉ. रेणु बजाज पहुंचीं। उन्होंने कक्षाओं के अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में 32 विद्यार्थी उपस्थित हुए।

सम्मेलन में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार सक्सेना, पूर्व सीसीई प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव, ओएनजीसी के पूर्व ईडी राम अवतार मौजूद रहे। विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने कहा, लविवि का इतिहास गौरवशाली है। यहां पढ़े विद्यार्थी दुनिया में प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। यहां डीन प्रो. शीला मिश्रा, विभाग अन्य शिक्षक और पूर्व विद्यार्थी मौजूद रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित एल्युमिनाई मीट में मौजूद 1975 बैच के विद्यार्थी। - संवाद

बीबीए-बीसीए की मान्यता के लिए एआईसीटीई से लेना होगा अनुमोदन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लविवि से बीबीए-बीसीए कोर्स की मान्यता और संबद्धता हासिल करने के लिए नए महाविद्यालयों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) में आवेदन करना होगा। अनुमोदन मिलने के बाद ही मान्यता मिलेगी। एआईसीटीई ने गत वर्ष से बीबीए-बीसीए को तकनीकी कोर्स की श्रेणी में शामिल कर दिया है, इसलिए यह प्रक्रिया जरूरी हो गई है।

लविवि में वर्तमान में नए महाविद्यालयों को संबद्धता और कोर्स संचालन की मान्यता देने की प्रक्रिया चल रही है। यहां कोर्स की मान्यता के लिए निरीक्षण मंडल को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि 30 मार्च निर्धारित है।

लविवि में नए कॉलेजों की संबद्धता के लिए जारी है प्रक्रिया

■ **कॉलेज नहीं ले सकेंगे प्रवेश :** कुलसचिव की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, जिन महाविद्यालयों की मान्यता 30 जून को समाप्त हो रही है और उन्होंने पोर्टल पर आवेदन नहीं किया है तो वह नए सत्र में कोर्स में प्रवेश नहीं ले सकेंगे। नए पाठ्यक्रम के लिए पूर्व संचालित महाविद्यालय को 34500 रुपये और नए महाविद्यालयों को 59 हजार रुपये शुल्क विवि के फीस पोर्टल पर ऑनलाइन जमा करना होगा।

विवि की ओर से संबद्धता देने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल और शासन में अपील करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल है। शासन स्तर पर अपील निस्तारित करने की अंतिम तिथि 10 मई है।

लविवि : 29 विद्यार्थी गेट 2025 में हुए सफल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के 29 छात्रों ने ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) 2025 के परीक्षा परिणाम में सफलता हासिल की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व डीन प्रो. एके सिंह ने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।

प्रखंड पटेल और सौरभ पांडेय ने हासिल की ऑल इंडिया रैंक

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के 29 छात्रों ने गेट-2025 परीक्षा उत्तीर्ण कर संस्थान का नाम रोशन किया है। परीक्षा में संकाय के प्रखंड पटेल ने ऑल इंडिया रैंक 326 और सौरभ पांडेय ने ऑल इंडिया रैंक 342 प्राप्त किए हैं।

छात्र रणजीत सिंह, बुशरा आजमी खान, विवेक कुमार, आयुष विश्वकर्मा, अरिंदम शुक्ला, रविंद्र कुमार, तहजीब अहमद, ओमिशा अग्रवाल, वेदानंद झा, उत्कर्ष द्विवेदी, अंकित चौहान, आदित्य वर्मा, शिव प्रताप राय, अनुभव सिंह, प्रिंसी बल्लभ, आयुष सोमवंशी, आयुष पाल, प्रिंसी अग्रवाल, तनिष्क सिंह, अंशुमान वर्मा, सौम्या सिंह, श्वेता, युवराज सिंह, सर्वेश मिश्रा, चंदन, आदित्य कांत कुशवाहा और इशिका भटनागर ने परीक्षा पास की है। (संवाद)

लविविः मी एंड माइकल को मिला सर्वश्रेष्ठ फिल्म व डॉक्यूमेंट्री पुरस्कार

लखनऊ विश्वविद्यालय के फिल्म महोत्सव में पुरस्कृत हुए फिल्म के निर्देशक। - स्रोत : लविवि

संवाद न्यूज एजेंसी

सीईसी और यूजीसी फिल्म महोत्सव का समापन, 9 फिल्मों को अलग-अलग श्रेणियों में ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और चेक दिया गया

लखनऊ। लखनऊ विवि में शैक्षिक संचार संघ (सीईसी) और विवि अनुदान आयोग की ओर से आयोजित 26वें शैक्षिक फिल्म महोत्सव का शनिवार को समापन हुआ। इसमें तीन दिनों में विद्यार्थियों को दिखाई गई 18 अवॉर्ड विजेता लघु फिल्मों में नौ फिल्मों को अलग-अलग श्रेणियों में ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और चेक देकर पुरस्कृत किया गया।

ये सभी फिल्में भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विलुप्त होती कलाओं और पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित थीं। मुख्य अतिथि मैसूर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लोकनाथ एनके ने कहा, फिल्में आज भी प्रभावी संचार का सशक्त माध्यम बनी हुई हैं।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने फिल्मों को एक प्रभावशाली श्रव्य-दृश्य माध्यम बताया। सीईसी निदेशक प्रो. जेबी नड्डा ने लविवि को शानदार मेजबान के रूप में धन्यवाद दिया।

फिल्म महोत्सव में 18 उत्कृष्ट फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। इसमें मी एंड माइकल को सर्वश्रेष्ठ फिल्म व डॉक्यूमेंट्री पुरस्कार मिला। जयश्री मुखर्जी को एक लाख रुपये का चेक दिया गया। प्रशांत कुहीकर की नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 को सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म पुरस्कार व 50 हजार का चेक दिया गया।

■ **इन फिल्मों को मिला प्रमाणपत्र :** फिल्म महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी फिल्म दुर्गा पूजा के लिए सौरभ श्रीवास को मिला। सर्वश्रेष्ठ संपादन मातृभूमि का वैभवः प्राकृतिक कृषि के लिए सौम्या भट्ट, सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिजाइन रघुराजपुरः एक विरासत गांव के लिए चंदन घराई और अरिंदम कोनार व श्याम सुंदर पॉल को उज्जल उत्तमः उत्तम बहुरूपी का कला जीवन के लिए ईएमआरसी वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ।

महिलाओं की समृद्धि से होगा देश का निर्माण

संवाद न्यूज एजेंसी

लविवि में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोलीं राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला

लखनऊ। महिला सशक्तीकरण से ही विकसित भारत का निर्माण होगा। महिलाओं के बिना विकास असंभव है। ये बातें राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने शनिवार को लविवि के समाजकार्य विभाग में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन समारोह में कहीं। दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन विभाग के राधाकमल मुखर्जी सभागार हो रहा है।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कर्नाटक के तुमकुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. वाईएस सिद्देगौड़ा ने कहा, जिस देश की महिलाएं जितनी स्वावलंबी और सशक्त होंगी, देश उतना ही आगे बढ़ेगा। प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा, हमें ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करनी होगी, जिसमें छात्राओं के नेतृत्व कौशल का विकास हो सके।

समाज कार्य विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में पुस्तक का विमोचन करते वीसी आलोक कुमार राय, राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला और अन्य। - संवाद

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा, हमारे समाज में महिलाओं की आवाज को मुखरित करना ही सच्चे विकसित भारत की नींव है। समाजकार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी ने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में महिला स्वयं सहायता समूहों ने आर्थिक परिवर्तन का एक नया अध्याय लिखा है।

NBT PAGE 7

अंग्रेजी के छात्र LU में भोजपुरी भी पढ़ सकेंगे

वैकल्पिक पेपर के रूप में चुन सकेंगे छात्र, सिलेबस में बदलाव

नए सत्र से दो नए पेपर किए गए शामिल

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में अंग्रेजी में पोस्ट ग्रैजुएशन करने वाले छात्र अब भोजपुरी के साथ तमिल, तेलुगु, बंगाली व अन्य भारतीय भाषाएं भी पढ़ेंगे। विभाग की ओर से एमए अंग्रेजी के सिलेबस में बड़ा बदलाव किया गया है, जिसमें अब दो नए पेपर जोड़े गए हैं। इसमें भाषा लिट्रेचर इन ट्रांसलेशन का एक पेपर सेकेंड सेमेस्टर में पढ़ाया जाएगा। इसमें भारतीय भाषाओं में जो साहित्य मौजूद है, उसको सिलेबस में शामिल किया गया है। इसमें भोजपुरी की कविता बटुहिया भी शामिल है। इसके अलावा अन्य भारतीय भाषाओं का ऐसा साहित्य जिसका अंग्रेजी अनुवाद मौजूद है, उसे पेपर में शामिल किया गया है।

अंग्रेजी विभाग के हेड प्रो ओएन उपाध्याय ने बताया कि अब तक अलग-अलग देशों का लिट्रेचर पढ़ाया जाता था। लेकिन देश में ही कई भाषाओं में साहित्य मौजूद है। ऐसे में हमने निर्णय लिया है कि अब अपने देश का साहित्य ही छात्रों को पढ़ाया जाए। इसीलिए लगभग सभी भारतीय भाषाओं के साहित्य को सिलेबस का हिस्सा बनाया गया है। इसमें छात्र वैकल्पिक पेपर के रूप में इस पेपर को चुन सकेंगे। इसके अलावा भारतीय ज्ञान परंपरा के तहत पिछले साल भी नौटंकी, रासलीला और रामलीला को अंग्रेजी के सिलेबस का हिस्सा बनाया गया था।

AI Image

रामायण और महाभारत के साथ वेद-पुराण भी शामिलः प्रो. उपाध्याय ने बताया कि इंडियन क्लासिकल लिट्रेचर नाम का एक अन्य पेपर भी हमने सिलेबस में शामिल किया है। इसके तहत वेद-पुराण, उपनिषद, गीता, रामायण और महाभारत भी शामिल है। इसे छात्रों को एमए अंग्रेजी में पढ़ाया जाएगा। तमिल में भी कुछ क्लासिकल टेक्स्ट हैं।

LU में केमिस्ट्री के अल्मनाई ने शुरू किया नया मेडल

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग के पीजी टॉपर को अब 1975 बैच के अल्मनाई गोल्ड मेडल से सम्मानित किया जाएगा। इसके लिए विवि के 1975 बैच के अल्मनाई बैच की ओर से अब एक नया मेडल शुरू करने की घोषणा की गई है। यह मेडल विवि कैंपस के टॉपर को दिया जाएगा।

केमिस्ट्री विभाग में शनिवार को अल्मनाई मीट में 1975 बैच के पचास साल पूरे होने पर बैच सम्मानित किया गया। मौके पर बैच की ओर नया मेडल शुरू करने की घोषणा हुई। यह पहली बार है जब एलयू में किसी बैच के नाम पर मेडल शुरू किया जा रहा है।

एलयू वीसी प्रो. आलोक राय की ओर से शनिवार को मेडल का अनावरण भी किया गया। हेड अनिल मिश्रा ने बताया कि मेडल की धनराशि जमा की जा चुकी है और सभी औपचारिकताएं भी पूरी हो चुकी हैं। इस साल होने वाले दीक्षांत समारोह से यह मेडल दिया जाएगा।

पूर्व छात्र सम्मेलन में अमेरिका से सत्या भाटिया और डॉ. रेणु बजाज आए। जबकि पूर्व हेड डॉ. सुधा जैन, भारतीय विज्ञान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार सक्सेना, ओएनजीसी के पूर्व ईडी राम अवतार, ओएनजीसी के पूर्व जीजीएम तिलक राम मिश्रा, लोरेटो कॉलेज की पूर्व फैकल्टी डॉ. नीरा शुक्ला समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

TOI PAGE 2

LU 1975 batch still shares 'chemistry', sparks nostalgia

Times News Network

Lucknow: Back then, there were no LPG burners in the chemistry lab, only coal gas or Bunsen burners. This and other such memories did the rounds as Lucknow University students of the 1975 batch held an alumni meet at the chemistry department on Saturday.

All in their early 70s, they went back to their classroom and department with the excitement of teenagers who have just joined college.

"The moment we stepped in, we were reminded of our department head, Prof S S Tiwari and his unique characteristic movements. We didn't have such advanced laboratories, not even LPG burners; we did our experiments on coal gas," said former student Kailash Kumar, in his early 70s, who gave a PowerPoint presentation about the Golden Jubilee celebrations and provided a brief introduction of the 1975 batch.

There were 32 former students, including Satya Bhatia and Renu Bajaj, who came all the way from US to attend the alumni meet. The septuagenarians were all smiles to experience the campus, classroom, benches and the lab where they studied and dreamed of making it big in life.

"Coming back to your university or department is always memorable and a cherished moment. I am elated to see that my student is now Pro Vice-Chancellor of Lucknow University. I taught Manuka when I was a teacher at Loreto Convent School," said Dr Neera (Mishra) Shukla.

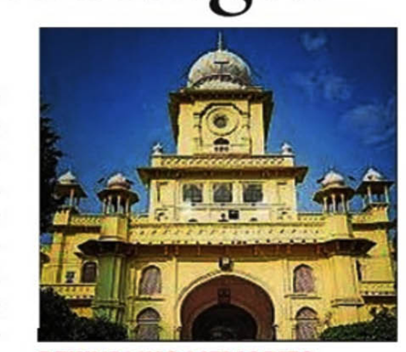
REKINDLING MEMORIES

Alumni constitute new gold medal

A new medal was constituted by former students of the 1975 batch during the golden jubilee celebrations, to be conferred to the highest-scoring postgraduate student of the department. According to head of chemistry department, Prof Anil Mishra, for the first time in the history of Lucknow University, a Gold Medal had been instituted in the name of an alumnus from a specific batch. The name of the instituted gold medal is in honour of the MSc (Chemistry), 1975 batch alumni and will be awarded to one student each year.

"This gathering of former students is evidence of efforts by former students and faculty and present students and the faculty to stay connected. We have been organising alumni lecture series on a regular basis," said head of chemistry department Prof Anil Mishra.

He said the department had started research scholars' forum seminars, in which researchers have made presentations in 80 seminars so far.

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू के 29 विद्यार्थियों को गेट में सफलता मिली

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 29 छात्रों ने ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) 2025 के परीक्षा परिणाम में सफलता हासिल की। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एलयू के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के 29 छात्रों ने गेट-2025 परीक्षा उत्तीर्ण कर संस्थान का नाम रोशन किया है। प्रखंड पटेल ने ऑल इंडिया रैंक 326 और सौरभ पांडेय ने 342 प्राप्त की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व डीन प्रो. एके सिंह ने शुभकामनाएं दीं।

यादें पुरानी | **एलयू के रसायन विज्ञान विभाग ने मनाई एल्युमिनाई मीट, पुरातन छात्र सम्मेलन में परास्नातक टॉपर के लिए स्वर्ण पदक की घोषणा हुई**

पूर्व छात्रों ने शिक्षकों की नकल उतारी, दोहराए पुराने किस्से

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में आयोजित पुरातन छात्र सम्मेलन में जब 1975 बैच के पूर्व छात्र मिले तो वह एक दूसरे के गले लगे बिना नहीं रह सके। पूर्व छात्रों ने अपनी कक्षाओं की सीटों पर बैठकर अपने छात्र जीवन के पलों को ताजा किया। उस दौर के शिक्षकों की नकल उतारकर उनके किस्सों को याद किया। वहीं अपने विश्वविद्यालय के प्रति लगाव को भी जाहिर किया। इस दौरान रसायन विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर छात्र के टॉपर के लिए पूर्व छात्र स्वर्ण पदक की घोषणा हुई।

पूर्व छात्रा और विभागाध्यक्ष रही डॉ. सुधा मिश्रा व कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने पदक का अनावरण किया। दीक्षांत समारोह में यह पदक विभाग स्तर पर मेधावी को दिया जाएगा। विभागध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय का इतिहास गौरवशाली है। यहां पढ़े विद्यार्थी पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। संकायाध्यक्ष प्रो. शीला मिश्रा व विभाग के अन्य शिक्षक और पूर्व विद्यार्थियों की मौजूदगी रही।

1975 बैच के पूर्व छात्र एक साथ जुटे

सम्मेलन में पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुधा जैन, भारतीय विज्ञान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार सक्सेना, पूर्व सीसीई प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव, ओएनजीसी के पूर्व ईडी राम अवतार, ओएनजीसी के पूर्व जीजीएम तिलक राम मिश्रा समेत अन्य उपस्थित रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में पुरातन छात्र सम्मेलन हुआ।

अमेरिका से पहुंचे पूर्व छात्र, सुनाए अनुभव

स्वर्ण जयंती पूर्व छात्र सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिका से सत्या भाटिया और डॉ. रेणु बजाज पहुंचे। उन्होंने कार्यक्रम में कक्षाओं के अनुभव साझा किए। एक दूसरे से मुलाकात में खुशी भी व्यक्त की। पूर्व छात्रों ने कहा कि इस तरह के आयोजन होते रहने चाहिए इससे अच्छा रहता है।

मी एंड माइकल को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का खिताब दिया गया

फिल्म महोत्सव

लखनऊ, संवाददाता। एलयू और कंसोर्टियम फॉर एजुकेशनल कम्युनिकेशन की ओर से 26वें शैक्षिक फिल्म महोत्सव का समापन हुआ। मुख्य अतिथि मैसूर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लोकनाथ एनके ने कहा कि फिल्में आज भी प्रभावी संचार का सशक्त माध्यम हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने फिल्मों को प्रभावशाली माध्यम बताया। सीईसी निदेशक प्रो. जेबी नड्डा ने लखनऊ विश्वविद्यालय को एक शानदार मेजबान के रूप में धन्यवाद दिया।

तीन दिवसीय फिल्म महोत्सव में 18 उत्कृष्ट फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। जिसमें मी एंड माइकल को सर्वश्रेष्ठ फिल्म व डॉक्यूमेंट्री पुरस्कार मिला। इसके लिए जयश्री मुखर्जी को एक लाख रुपए का चेक दिया गया। जबकि प्रशांत कुहीकर की नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 को सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म पुरस्कार व 50 हजार का चेक दिया गया। अन्य फिल्मों के लिए भी पुरस्कार दिए गए।

i-NEXT PAGE 4

लखनऊ यूनिवर्सिटी में तीन दिवसीय फिल्म फेस्टिवल का समापन

3 दिन में 18 फिल्मों की स्क्रीनिंग

बेस्ट फिल्मों को किया गया पुरस्कृत, मी एंड माइकल को एक लाख का पुरस्कार

LUCKNOW(22 March): सीईसी-यूजीसी की तरफ से लखनऊ यूनिवर्सिटी में आयोजित 26वें एजुकेशनल फिल्म फेस्टिवल के आखिरी दिन शनिवार को बेस्ट फिल्म्स को अवॉर्ड दिए गए, इस तीन दिवसीय फिल्म फेस्टिवल में कुल 18 बेस्ट फिल्मों की स्क्रीनिंग की गई, जो सोशल, एजुकेशनल और इनोवेशन से रिलेटेड थीं. समापन पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मैसूर यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. लोकनाथ ने पारंपरिक संचार माध्यमों के महत्व के बारे में चर्चा की. उन्होंने कहा कि फिल्में आज भी संचार का सशक्त और प्रभावी माध्यम बनी हुई हैं. सीईसी के डायरेक्टर प्रो. जेबी नड्डा ने एलयू को एक शानदार होस्ट के रूप में धन्यवाद करते हुए फ्यूचर में अकादमिक हेल्प की उम्मीद के बारे में बात की.

सर्टिफिकेट ऑफ अप्रीसिएशन

1- बेस्ट सिनेमैटोग्राफी- दुर्गा पूजा, सौरभ श्रीवास

2- बेस्ट एडिटिंग- मातृभूमि का वैभव, भारत झाड़व

3- बेस्ट म्यूजिक डिजाइन- रघुराजपुर- एक विरासत गांव, चंदन घराई

4- बेस्ट प्रोग्राम ऑफ द ईयर- उज्जल उत्तम-उत्तम बहुरूपी का कला जीवन, अरिंदम कोनार एवं श्याम सुंदर पॉल.

इन फिल्मों को मिला पुरस्कार

1- बेस्ट डॉक्यूमेंट्री फिल्म अवॉर्ड- मी एंड माइकल, जयश्री मुखर्जी, 1,00,000 रु.

2- बेस्ट शॉर्ट फिल्म अवॉर्ड- नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020, प्रशांत कुहीकर, 50,000 रु.

3- इनोवेटिव लेक्चर अवॉर्ड- आइडियल इंटरेक्शन बिटवीन डॉक्टर एंड मेडिकल रिप्रजेंटेटिव, डॉ. चित्रा खानविलकर, 50,000 रु.

4- बेस्ट मूक अवॉर्ड- एनवायरमेंटल पॉल्यूशन एंड ह्यूमन हेल्थ, डॉ. तेजिंदर सिंह, 50,000 रु.

5- बेस्ट स्क्रीनप्ले राइटिंग अवॉर्ड- मातृभूमि का वैभव-प्राकृतिक कृषि, भारत झाड़व, 25,000 रु.

6- बेस्ट सिनेमैटोग्राफी अवॉर्ड- मातृभूमि का वैभव-प्राकृतिक कृषि, भारत झाड़व, 25,000 रु.

7- बेस्ट एडिटिंग अवॉर्ड- मैजिकल मिलेट्स, एमआर संतोष कुमार, 25,000 रु.

8- बेस्ट म्यूजिक डिजाइन अवॉर्ड- म्यूजिक ऑफ रिजुवेनेशन, अरिंदम कोनार, 25,000 रु.

9- बेस्ट प्रोग्राम ऑफ दि ईयर- रेज्ड ऑन रिदम्स, 50,000 रु.

JAGRAN CITY PAGE II, IV

29 विद्यार्थियों को सफलता

लखनऊ : लवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के 29 विद्यार्थियों को भी गेट-2025 परीक्षा में सफलता मिली है। प्रखंड पटेल ने आल इंडिया 326 रैंक और सौरभ पांडेय ने 342 रैंक पाई। सफल छात्र-छात्राओं में रणजीत सिंह, बुशरा आजमी, विवेक, आयुष विश्वकर्मा, अरिंदम शुक्ला, रविंद्र कुमार, तहज़ीब अहमद, ओमिशा अग्रवाल, वेदानंद झा, उत्कर्ष द्विवेदी, अंकित, आदित्य, शिव प्रताप, अनुभव, प्रिंसी, आयुष, आयुष पाल, प्रिंसी अग्रवाल, तनिष्क सिंह, अंशुमान वर्मा, सौम्या, श्वेता, युवराज, सर्वेश, चंदन, आदित्य कांत कुशवाहा और इशिका भटनागर शामिल हैं। (जासं)

सर्वश्रेष्ठ डाक्यूमेंट्री 'मी एंड माइकल' के लिए जयश्री को मिले एक लाख

जासं, लखनऊ : लवि और कंसोर्टियम फार एजुकेशनल कम्युनिकेशन (सीईसी) के सहयोग से मालवीय सभागार में तीन दिवसीय 26वां फिल्म महोत्सव के अंतिम दिन कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान 18 उत्कृष्ट फिल्मों व डाक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया, जिसमें दर्शकों को अनूठी कथाओं, समृद्ध कहानी कहने की शैली और गहरे सामाजिक प्रभाव वाली फिल्मों की प्रस्तुति देखने को मिलीं। प्रस्तुति ने दर्शकों को बांधे रखा।

मुख्य अतिथि मैसूर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लोकनाथ एन. के. ने कहा कि फिल्में आज भी प्रभावी संचार का सशक्त माध्यम बनी हुई हैं। लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व सीईसी निदेशक प्रो. जे. बी. नड्डा, डा. सुनील मेहरू व लवि के पत्रकारिता विभाग के डा. मुकुल ने विजेताओं को बधाई दी।

पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित किया गया।

- सर्वश्रेष्ठ फिल्म/डाक्यूमेंट्री पुरस्कार - मी एंड माइकल - जयश्री मुखर्जी को एक लाख रुपये
- सर्वश्रेष्ठ लघु फिल्म पुरस्कार
- नेशनल एजुकेशनल पालिसी - प्रशांत कुहीकर को पचास हजार रुपये
- नवाचार व्याख्यान पुरस्कार (शिक्षाविद) - डाक्टर व एमआर के बीच आइडियल इंटरेक्शन डा. चित्रा सी खानवेलकर को पचास हजार रुपये
- सर्वश्रेष्ठ एमओओसीएस पुरस्कार - इनवायरमेंट पाल्यूशन एंड ह्यूमन हेल्थ - डा. तेजिंदर सिंह को पचास हजार रुपये
- सर्वश्रेष्ठ पटकथा लेखन पुरस्कार - मातृभूमि का वैभवः प्राकृतिक कृषि - भारत झाड़व (हिमानी तिवारी के प्रतिनिधि के रूप में) को 25,000
- सर्वश्रेष्ठ सिनेमैटोग्राफी पुरस्कार - मातृभूमि का वैभवः प्राकृतिक कृषि - भारत झाड़व (अमर ठक्कर एवं नारायण नाथ के प्रतिनिधि के रूप में) को 12,500
- सर्वश्रेष्ठ संपादन पुरस्कार - मैजिकल मिलेट्स के एम.आर. संतोष कुमार को 25 हजार
- सर्वश्रेष्ठ ध्वनि डिजाइन पुरस्कार - म्युजिक आफ रिजुवेनेशन के अरिंदम कोनार (ईमान चक्रवर्ती के प्रतिनिधि के रूप में) को 25,000
- वर्ष का सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम पुरस्कार (केवल ईएमआरसीएस के लिए) - राइज आन रायथम के सजीद नदुथोडी को 50,000

एल्युमिनाई मीट में पूर्व छात्रों ने साझा किए मजेदार किस्से

जासं • लखनऊः साल 1975 में प्रो. एसएस तिवारी जब हमें पढ़ाते थे तो बहुत धीमी आवाज में बोलते थे। बाद में सभी विद्यार्थी एक-दूसरे से पूछते थे कि सर ने क्या पढ़ाया। यह किस्सा 1975 बैच के पूर्व छात्र कैलाश कुमार ने लवि के रसायन विज्ञान विभाग में एमएससी केमिस्ट्री 1975 बैच की गोल्डन जुबली एल्युमिनाई मीट, मल्टी एक्टिविटी सभागार में स्वर्ण जयंती पूर्व छात्र मिलन समारोह के दौरान कहीं। उन्होंने आगे बताया कि पढ़ाई के दौरान रेडियो पर भारत के क्रिकेट मैच की कमेंट्री चल रही थी। प्रोफेसर ने कक्षा में आकर सभी विद्यार्थियों से पूछा कि क्रिकेट मैच सुनेंगे या पढ़ाई करेंगे। सभी छात्र-छात्राओं ने क्रिकेट मैच कहा, लेकिन मैंने पढ़ाई के लिए। इस वजह से प्रोफेसर ने सभी को पढ़ाया। बाद में सभी ने मुझे कोसा।

लवि के रसायन विज्ञान विभाग में आयोजित गोल्डन जुबली एल्युमिनाई मीट में शामिल 1975 बैच के पूर्व विद्यार्थी • जागरण

लवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। विज्ञान संकाय की डीन प्रो. शीला मिश्रा और रसायन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा मुख्य अतिथि रहे। प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम पूर्व छात्र शिक्षा जगत के जुड़ाव को बढ़ाते हैं, जो विश्वविद्यालय में शिक्षा और पाठ्यक्रम की गुणवत्ता को ऊपर उठाने में सहायक होगा।

पूर्व छात्र प्रतिनिधि डा. सुधा जैन ने स्वर्ण पदक की स्थापना और स्वर्ण जयंती समारोह के उत्सव की पृष्ठभूमि के बारे में अवगत कराया। स्वर्ण जयंती को उचित तरीके से मनाने के उद्देश्य से, पूर्व छात्र संघ, 1975 बैच ने एमएससी (रसायन विज्ञान), 1975 बैच के पूर्व छात्र, लवि के नाम से एक स्वर्ण पदक की स्थापना की। स्वर्ण पदक रसायन विज्ञान विभाग के उस छात्र को प्रति वर्ष दिया जाएगा, जिसने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए हों। पदक का शुभारंभ प्रो. आलोक ने किया। डीएमएसआरडीई कानपुर के पूर्व निदेशक और भारतीय विज्ञान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डा. अरविंद कुमार सक्सेना, प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव, राम अवतार, तिलक राम मिश्रा, डा. नीरा मिश्रा शुक्ला, डा. इशरत हुसैन, डा. इश्तियाक अहमद, के. के. गुप्ता, सत्या भाटिया और डा. रेणु बजाज, कालेज के पूर्व महाप्रबंधक अतुल लिमिटेड, डा. वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, आरडीएसओ की पूर्व उपनिदेशक संतोष प्रसाद ने कार्यक्रम में भाग लिया।

AMRIT VICHAR PAGE 7

पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः एमएससी (रसायन विज्ञान), 1975 बैच के पूर्व छात्र और लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग ने संयुक्त रूप से शनिवार को विभाग के मल्टी एक्टिविटी हॉल में स्वर्ण जयंती पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन किया। समारोह का उद्घाटन कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया।

इस अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष ने विभाग की उपलब्धियों और गतिविधियों का उल्लेख किया और बताया कि अगस्त 2022 से विभाग नियमित आधार पर पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला आयोजित कर रहा है। कार्यक्रम में प्रो. मनुका खन्ना, प्रो, कुलपति, प्रो. शीला मिश्रा, सहित कई पूर्व छात्र मौजूद थे।

समारोह में मौजूद कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व अन्य। अमृत विचार

लविवि में 26वां शैक्षिक फिल्म महोत्सव का समापन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और कंसोर्टियम फॉर एजुकेशनल कम्युनिकेशन (सीईसी) के सहयोग से 26वां सीईसी-यूजीसी तीन दिवसीय शैक्षिक फिल्म महोत्सव संपन्न हो गया। इस महोत्सव में 18 उत्कृष्ट फिल्मों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें शिक्षा और संचार के क्षेत्र में विविध विषयों और नवाचारपूर्ण कहानी कहने की कला को दर्शाया गया। इस दौरान सर्वश्रेष्ठ फिल्मों के निर्माताओं को पुरस्कृत भी किया गया। महोत्सव के समापन अवसर पर आयोजित पुरस्कार समारोह में कुलपति कुलपति, प्रो. आलोक कुमार राय ने फिल्मों को एक प्रभावशाली श्रव्य-दृश्य माध्यम बताया, जो एक साथ कई इंद्रियों को प्रभावित कर संदेश को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करता है। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. लोकनाथ एन. के., कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय ने पारंपरिक संचार माध्यमों के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि फिल्में आज भी प्रभावी संचार का सशक्त माध्यम बनी हुई हैं। इस अवसर पर सीईसी के निदेशक प्रो. जेबी नड्डा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

महिला सशक्तिकरण से ही होगा विकसित भारत का निर्माण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः लखनऊ विश्वविद्यालय के राधाकमल मुखर्जी सभागार में समाज कार्य विभाग द्वारा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से "महिला नेतृत्व में विकासः विकसित भारत के लिए उभरती रणनीतियां @ विजन2047 विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शनिवार को शुरू की गई।

संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महिलाओं के बिना विकास की कल्पना नितांत असंभव है। महिला सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का निर्माण होगा। सरकार 'नारी शक्ति से विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता तुमकुर विश्वविद्यालय, कर्नाटक के पूर्व कुलपति कर्नल प्रो. वाई.एस. सिद्देगौड़ा ने कहा कि जिस देश की महिलाएं जितनी स्वावलंबी और सशक्त होंगी, वह देश उतना ही आगे बढ़ेगा। विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की अग्रणी भूमिका अपरिहार्य है। आज की महिलाएं शिक्षा, प्रौद्योगिकी और उद्यमिता में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं।

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि हमारे समाज में महिलाओं की आवाज को मुखरित करना ही सच्चे विकसित भारत की नींव है। जब तक महिलाएं स्वयं के लिए निर्णय नहीं लेंगी, तब तक हमारा विकास अधूरा ही रहेगा। प्रो. मनुका खन्ना ने बताया कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे महिलाएं अपनी पहचान और क्षमता को पहचान सकती हैं।

लविवि के 29 छात्रों को गेट-2025 में मिली सफलता

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के 29 छात्रों ने गेट-2025 परीक्षा उत्तीर्ण कर संस्थान का नाम रोशन किया है। संकायाध्यक्ष प्रो. ए के सिंह ने बताया गेट-2025 परीक्षा में संकाय के प्रखण्ड पटेल ने ऑल इंडिया रैंक 326 और सौरभ पांडेय ने 342 रैंक हासिल की है। वहीं अन्य छात्रों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

HT PAGE 4

26th CEC-UGC edu film festival concludes at LU

LUCKNOW: The three-day 26th CEC-UGC educational film festival concluded at Lucknow University on Saturday, featuring 18 films on education and communication. Chief guest prof Lokanath NK, vice-chancellor, university of Mysore, highlighted that films act as a powerful communication tool. 'Me & Michael, Ventriloquism 50' by Jayashri Mukherjee won Best Film/ Documentary with a Rs 1,00,000 prize.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के 29 छात्रों ने उत्तीर्ण की गेट परीक्षा

लखनऊ। लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के 29 छात्रों ने गेट-2025 परीक्षा उत्तीर्ण कर संस्थान का नाम रोशन किया है। इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और संकायाध्यक्ष प्रो. ए. के. सिंह ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गेट-2025 परीक्षा में संकाय के प्रखण्ड पटेल ने ऑल इंडिया रैंक 326 और सौरभ पांडेय ने ऑल इंडिया रैंक 342 प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। गेट परीक्षा में सफल होने वाले छात्रों में प्रखण्ड पटेल, सौरभ पांडेय, रणजीत सिंह, बुशरा आजमी खान, विवेक कुमार, आयुष विश्वकर्मा, अरिंदम शुक्ला, रविंद्र कुमार, तहजीब अहमद, ओमिशा अग्रवाल, वेदानंद झा, उत्कर्ष द्विवेदी, अंकित चौहान, आदित्य वर्मा, शिव प्रताप राय, अनुभव सिंह, प्रिंसी बल्लभ, आयुष सोमवंशी, आयुष पाल, प्रिंसी अग्रवाल, तनिष्क सिंह, अंशुमान वर्मा, सौम्या सिंह, श्वेता, युवराज सिंह और

कुलपति ने टॉपर के लिए पूर्व छात्र स्वर्ण पदक का किया अनावरण

रसायन विज्ञान विभाग में स्नातकोत्तर छात्र के लिए शुरू हुआ पदक

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के गौरवशाली 50 वर्ष पूरे होने पर एमएससी (रसायन विज्ञान) के 1975 बैच के पूर्व छात्र और लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग ने संयुक्त रूप से शनिवार को विभाग के मल्टी एक्टिविटी हॉल में स्वर्ण जयंती पूर्व छात्र मिलन समारोह का आयोजन हुआ। इसका उद्घाटन लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। प्रो. मनुका खन्ना, प्रो कुलपति, प्रो. शीला मिश्रा, डीन, विज्ञान संकाय और प्रो. अनिल मिश्रा, विभागाध्यक्ष, रसायन शास्त्र विभाग ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन समारोह की शोभा बढ़ायी।

रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल मिश्रा ने अपने स्वागत भाषण में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने हाल के दिनों में विभाग की

उपलब्धियों और गतिविधियों का उल्लेख किया। अपनी स्वर्ण जयंती को उचित तरीके से मनाने के उद्देश्य से पूर्व छात्र संघ, 1975 बैच ने एमएससी (रसायन विज्ञान), 1975 बैच के पूर्व छात्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के नाम से एक स्वर्ण पदक की स्थापना की है। यह स्वर्ण पदक लखनऊ विश्वविद्यालय (कैनिंग कॉलेज) के रसायन विज्ञान विभाग के उस छात्र को प्रति वर्ष दिया जाएगा, जिसने स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम में सर्वोच्च अंक प्राप्त किये हों। विश्वविद्यालय के इतिहास में यह पहली बार है कि किसी विशेष बैच के पूर्व छात्र के नाम पर कोई स्वर्ण पदक स्थापित किया गया है। पदक का शुभारंभ कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने किया। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रो वाइस चांसलर प्रो. मनुका खन्ना, जो स्कूल स्तर पर 1975 बैच की एक पूर्व छात्रा डॉ. नीरा (मिश्रा) शुक्ला की छात्रा भी हैं, ने इस तरह के मिलन समारोह के आयोजन के लिए पूर्व छात्रों को धन्यवाद दिया। उन्होंने समारोह की मेजबानी के लिए रसायन विज्ञान विभाग को बधाई दी। अपने उद्घाटन भाषण में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विश्वविद्यालय के छात्रों के हित में स्वर्ण पदक की स्थापना के लिए 1975 बैच के पूर्व छात्र संघ के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए रसायन विज्ञान विभाग की सराहना की और उल्लेख किया कि इस तरह के कार्यक्रम पूर्व छात्र-शिक्षा जगत के जुड़ाव को बढ़ाते हैं जो विश्वविद्यालय में शिक्षा और पाठ्यक्रम की गुणवत्ता को ऊपर उठाने में सहायक होगा। उन्होंने पूर्व छात्रों से छात्रों और युवा संकाय सदस्यों के समग्र विकास के लिए विभाग में कुछ विशेष व्याख्यान लेने का आग्रह किया। इसके बाद पूर्व छात्रों के प्रतिनिधि कैलाश कुमार ने स्वर्ण जयंती समारोह के बारे में एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया और 1975 बैच के पूर्व छात्रों का संक्षिप्त परिचय दिया। स्वर्ण जयंती पूर्व छात्र सम्मेलन में भाग लेने के लिए अमेरिका से सत्या भाटिया और डॉ. रेणु बजाज आये थे। रसायन विज्ञान विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुधा जैन, डीएमएसआरडीई, कानपुर के पूर्व निदेशक और भारतीय विज्ञान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार सक्सेना, पीईएसओ के पूर्व सीसीई प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव, ओएनजीसी के पूर्व ईडी राम अवतार, ओएनजीसी के पूर्व जीजीएम तिलक राम मिश्रा, लोरेटो कॉलेज की पूर्व फैकल्टी डॉ. नीरा (मिश्रा) शुक्ला, शिया पीजी कॉलेज के दोनों पूर्व फैकल्टी डॉ. इशरत हुसैन और डॉ. इश्तियाक अहमद मौजूद थे। कॉलेज के पूर्व महाप्रबंधक, अतुल लिमिटेड, डॉ. वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, आरडीएसओ की पूर्व उपनिदेशक संतोष प्रसाद और पीईएसओ के पूर्व संयुक्त सीसीई कैलाश कुमार उन 32 पूर्व छात्र सदस्यों में शामिल थे जिन्होंने कार्यक्रम में भाग लिया। विज्ञान संकाय की डीन प्रो. शीला मिश्रा ने समारोह के लिए 1975 बैच के पूर्व छात्रों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रो. आलोक कुमार राय और प्रो. मनुका खन्ना को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन में सहायता करने के लिए रसायन विज्ञान विभाग के संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की और उम्मीद जताई कि विभाग में इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। अंत में भारतीय रेलवे के पूर्व रसायनज्ञ और धातुकर्म विशेषज्ञ के के गुप्ता ने पूर्व छात्रों की ओर से धन्यवाद ज्ञापन किया।